



**ग्रामीण कृषी मौसम सेवा**  
भारत मौसम विभाग  
प्रायोगिक ब्लॉक लेव्हल अॅग्रोमेट अॅडव्हायझरी बुलेटिन  
(आयएमडी आणि आयसीएआर चा संयुक्त उपक्रम)



## हवामानावर आधारीत कृषि सल्ला

दिनांक : 17-02-2026

नागपूर(महाराष्ट्र) मध्ये कामठी ब्लॉक करा साठी हवामान पूर्वानुमान - वर जारी :2026-02-17 ( पुढील पाच दिवसांसाठी सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत वैध)

| हवामान घटक                       | 2026-02-18 | 2026-02-19 | 2026-02-20 | 2026-02-21 | 2026-02-22 |
|----------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| पर्जन्यमान (मिमी)                | 0          | 0          | 0          | 0          | 0          |
| कमाल तापमान (अं.से)              | 32.8       | 33.2       | 33.9       | 34.5       | 34.9       |
| किमान तापमान (अं.से)             | 18.1       | 18.7       | 20.5       | 20.8       | 21.7       |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के)  | 40.2       | 37.8       | 34.5       | 38.3       | 40.4       |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के) | 14.9       | 15.4       | 16.1       | 15.1       | 18.1       |
| वाऱ्याचा वेग(किमी/तास)           | 6.2        | 10.1       | 10.9       | 11.9       | 14.6       |
| वाऱ्याची दिशा(अंश)               | 54.5       | 90         | 82.4       | 76         | 69.8       |
| मेघाच्छादन (ऑक्टा)               | 0          | 0          | 1          | 2          | 2          |

### हवामान सारांश / चेतावणी:

• भारतीय हवामान विभाग, प्रादेशिक हवामान केंद्र, नागपूर च्या मूल्यवर्धित अंदाजानुसार, पुढील पाच दिवस दिनांक १८ ते २२ फेब्रुवारी २०२५ दरम्यान आकाश निरभ्र राहण्याची अधिक शक्यता, • दिनांक १८, १९, २०, २१ आणि २२ फेब्रुवारी २०२६ रोजी हवामान कोरडे राहण्याची अधिक शक्यता वर्तविण्यात आली आहे. • पुढील ७ दिवसांत विदर्भातील कमाल तापमानात कोणताही मोठा बदल होणार नाही. पुढील २४ तासांत किमान तापमानात २-३ अंश सेल्सिअसने वाढ होईल, त्यानंतर कोणताही मोठा बदल होणार नाही.

### कृषि सल्ला:

• पुढील ५ दिवस कोरड्या हवामानाचा अंदाज लक्षात घेता, परिपक्व अवस्थेतील तूर, लवकर पेरणी केलेला परिपक्व अवस्थेतील हरभरा आणि इतर रब्बी हंगामातील परिपक्व अवस्थेतील पिकाची कापणी आणि मळणी ची कामे सुरु ठेवावी. • हंगामी पिके, फळपिके व भाजीपाला पिकामध्ये आवश्यकता असल्यास ठिबक सिंचन/तुषार सिंचन पद्धतीद्वारे हलके ओलीत करावे. • फळबागा व भाजीपाला पिकास पीक आच्छादन करावे, जेणेकरून जमिनीतील ओलावा राखून ठेवण्यास मदत होईल. • कपाशी च्या शेवटच्या वेचनिनंतर रोगग्रस्त बोंडे व पिकाचे इतर अवशेष शेताबाहेर नष्ट करावे. • हंगामी पिके, फळबागा, भाजीपाला पिकामध्ये आंतरमशागतीची कामे (डवरणी, खुरपणी इत्यादी.), कीड व रोग व्यवस्थापनासाठी कृषी रसायनांची फवारणीची कामे व उभ्या पिकामध्ये खते देण्याची ठेवावीत.

### संक्षिप्त संदेश सल्ला:

• गहू पिकामध्ये तांबेरा आणि पानावरील करपा रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास मॅनकोझेब ७५ % डब्ल्यूपी २० ते २५ ग्राम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.

### पिक निहाय सल्ला:

| पिक | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गहू | <ul style="list-style-type: none"> <li>गहू पिकास जमिनीतील ओलावा व पिकाची गरज लक्षात घेता पिक अवस्थेनुसार, फुलोरा अवस्था (पेरणीनंतर ६५-७० दिवस), फुलोरा अवस्था (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस), दाण्याची दुधाळ अवस्था (पेरणीनंतर ८० ते ८५ दिवस) मध्ये असताना सिंचन करावे. ढगाळ वातावरणामुळे गहू पिकामध्ये मावा किडीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास व्यवस्थापनासाठी थायमेथोक्झाम २५ % डब्ल्यूजी १० ते १५ ग्राम किंवा किनालफॉस २५ % प्रवाही ईसी ४० मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • सद्य परिस्थितीतील गहू पिकामध्ये तांबेरा आणि पानावरील करपा रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास मॅनकोझेब ७५ % डब्ल्यूपी २० ते २५ ग्राम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • गहू पिकामध्ये उंदीर व्यवस्थापनासाठी विषयुक्त आमिषाचा वापर करावा. विषयुक्त आमिष तयार करण्यासाठी धान्याचा भरडा ४९ भाग, थोडे गोडे तेल व १ भाग ब्रोमाडीओलोन ०.२५ % सीबी एकत्र मिसळावे. चमचाभर आमिष प्लास्टिकच्या पिशवीत टाकून शेतातील जिवंत बिळामध्ये टाकावे किंवा बिलाजवळ ठेवावे.</li> </ul> |
| तूर | <ul style="list-style-type: none"> <li>पुढील पाच दिवस कोरड्या हवामानाचा अंदाज लक्षात घेता दुपारच्या वेळी परिपक्व अवस्थेतील तूर पिकाची काढणी व मळणी ची कामे सुरु ठेवावीत आणि काढणी व मळणी केलेला शेतमाल सुरक्षित आणि कोरड्या ठिकाणी साठवणूक करावा.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |

### फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला:

| फळे आणि भाजीपाला पिक | फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भेंडी                | <ul style="list-style-type: none"> <li>उन्हाळी भेंडी लागवडीसाठी १० ते १५ किलो/हेक्टर बियाणे व त्यासाठी लागवडीचे अंतर ४५x३० से.मी. व शिफारस केलेल्या जातींमध्ये प्रगती, अर्का अनामिका, पुसा मखमली, परभणी क्रांती आणि फुले विभक्ता यांचा समावेश करावा.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| संत्रा               | <ul style="list-style-type: none"> <li>ठिबक सिंचनाद्वारे १ ते ४, ५ ते ७ व ८ वर्षावरील झाडांना अनुक्रमे ९ ते ४०, ६० ते ९६ आणि १०८ ते १३७ लिटर प्रति दिवस पाणी द्यावे. ठिबक संच नसल्यास दुहेरी आळे पद्धतीने ७ ते १० दिवसाच्या अंतराने ओलीत करावे. • या काळात सर्वसाधारणपणे लिंबुवर्गीय लीफ मायनर व सायला या किडी सक्रिय असतात. लिंबुवर्गीय सायला किडीच्या नियंत्रणासाठी अंबिया बहाराच्या वेळी इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मिली, किनालफॉस २ मिली किंवा डायमेथोएट २ मिली प्रति एक लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. लीफ मायनर किडीच्या व्यवस्थापनासाठी थायमेथोक्सेम ०.३ ग्रॅम किंवा फेनव्हॅलेरेट १ मिली प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. आवश्यकता भासल्यास १० दिवसाच्या अंतराने दुसरी फवारणी करावी. लिंबुवर्गीय मावा किडीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास किनालफॉस @ २ मिली किंवा डायमेथोएट @ २ मिली प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. झाडाच्या खोडावर डिकाचा स्त्राव निघत असल्यास डिकाचा भाग धारदार चाकूने काढून टाका आणि झाडाच्या खोडाच्या प्रभावित भागावर मेटालॅक्सिल पेस्ट किंवा फॉसेटील एएल ची पेस्ट लावावी. या काळात पाने खाणाऱ्या अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येतो. पाने खाणाऱ्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी किनालफॉस २ मिली किंवा फेनव्हॅलेरेट २ मिली प्रति एक लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • आंबिया बहाराच्या वेळी जिबरेलिक आम्ल १.५ ग्राम सोबत १ किलो युरिया १०० लिटर पाण्यामध्ये मिसळून फवारणी करावी. (पाण्यात मिसळण्यापूर्वी १० मिली अल्कोहोलमध्ये गिबरेलिक ऍसिड विरघळावा)</li> </ul> |
| आंबा                 | <ul style="list-style-type: none"> <li>आंब्याच्या झाडावर तुडतुडे किडीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास व आर्थिक नुकसान पातळी गाठत असल्यास व्यवस्थापनासाठी बुप्रोफेझीन २५ % SC १० मिली किंवा डेल्टामेथ्रीन २.८ % EC ५ मिली किंवा इमिडाक्लोप्रिड १७.८ % प्रवाही ४ मिली किंवा लॅबडा सायहॅलोथ्रिन ५ % प्रवाही ५ मिली किंवा डायमेथोएट ३० % प्रवाही १६.५ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून हे द्रावण खोडावर, फांद्यावर, शेंड्यावर आणि मोहोरावर फवारावे. • आंब्याच्या झाडावर फुलोरा अवस्थेत भुरी रोगाची लक्षणे दिसून आल्यास व्यवस्थापनासाठी पाण्यात मिसळणारे गंधक ८० % डब्ल्यूपी ३० ग्राम किंवा टेट्राकोनाझोल ३.८ % प्रवाही १२.५ मिली किंवा हेक्झाकोनाझोल ५ % प्रवाही १० मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| टरबूज                | <ul style="list-style-type: none"> <li>उन्हाळी हंगामात टरबूज पिकाची लागवडी साठी शुगर बेबी, असाही यामाटो, अर्का ज्योती, अर्का माणिक या वाणाची निवड करावी. लागवडीवेळी ४० किलो नत्र, ४० किलो स्फुरद व ४० किलो पालाश द्यावे व ४० किलो नत्र लागवडी नंतर ३० दिवसांनी द्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| खरबूज                | <ul style="list-style-type: none"> <li>उन्हाळी हंगामात खरबूज पिकाच्या लागवडीसाठी हरा मधु, पुसा शरबती, पंजाब सुनहरी, अर्का राजहंस, अर्का जीत, पुसा मधुरस या वाणाची लागवड करावी. लागवडीवेळी ४० किलो नत्र, ४० किलो स्फुरद व ४० किलो पालाश द्यावे व ४० किलो नत्र लागवडी नंतर ३० दिवसांनी द्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| मिरची                | <ul style="list-style-type: none"> <li>तापमानातील चढ उतार व उच्च आद्रतेमुळे मिरची पिकावर भुरी रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास व्यवस्थापनासाठी हेक्साकोनाझोल ७५ % डब्ल्यूजी ६६.७ ग्राम ग्रॅम किंवा टेब्युकोनाझोल २५ % डब्ल्यूजी @ ५००-७५० ग्रॅम किंवा अझॉक्सीस्ट्रोबिन ८.३ % + मॅनकोझेब ६६.७ % डब्ल्यूजी @ १५००</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |

| फळे आणि भाजीपाला पिक | फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|----------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                      | <p>ग्रॅम किंवा बोस्कालीड २५.२ % + पायराक्लोस्ट्रोबिन १२.८ % डब्ल्यूजी @ ६०० ग्रॅम किंवा कार्बेन्डाझिम १२ % + मॅन्कोझेब ६३ % डब्ल्यूजी @ ७५० ग्रॅम किंवा क्रेसॉक्सिम - मिथाइल १५ % + क्लोरोथॅलोनिन ५६ % डब्ल्यूजी @ १००० ग्रॅम किंवा टेबुकोनाझोल १० % डब्ल्यूजी + सल्फर ६५ % डब्ल्यूजी @ १२५० ग्रॅम किंवा टेबुकोनाझोल ५० % + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन २५ % डब्ल्यूजी @ २५० ग्रॅम प्रति हेक्टर ५०० लिटर पाणी या प्रमाणात मिसळून या पैकी कोणत्याही एका बुरशी नाशकाची स्वच्छ हवामान परिस्थिती असताना फवारणी करावी. • मिरची पिकावरील पानावरील ठिपके रोगास थंड, दमट स्थिती आणि मध्यम तापमान रोगास अनुकूल आहे. मिरचीच्या पिकावर पानावर ठिपके रोगाचा प्रादुर्भाव आढळून आल्यास कॉपर ऑक्सीक्लोराईड ५० % डब्ल्यूजी @ १००० ग्रॅम प्रति एकर ३०० ते ४०० लिटर पाणी किंवा मॅन्कोझेब ७५ % डब्ल्यूजी @ ६००-८०० ग्रॅम प्रति एकर ३०० लिटर पाणी किंवा हेक्साकोनाझोल ७५ % डब्ल्यूजी @ २७ ग्रॅम प्रति एकर प्रति २०० लिटर पाणी किंवा क्रेसॉक्सिम-मिथाइल १५ % + क्लोरोथॅलोनिन ५६ % डब्ल्यूजी @ ४०० ग्रॅम प्रति एकर प्रति २०० लिटर पाणी किंवा कार्बेन्डाझिम १२ % + मॅन्कोझेब ६३ % डब्ल्यूजी @ ३०० ग्रॅम प्रति एकर प्रति २०० लिटर पाण्यात मिसळून स्वच्छ हवामान असताना फवारणी करावी.</p> |

### पशुधन विषयक निहाय सल्ला:

| पशुधन विषयक     | पशुधन विषयक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|-----------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाय             | <p>• जनावरांच्या गोठ्याचा व जमिनीचा भाग कोरडा व स्वच्छ ठेवावा. जनावरांना पिण्यासाठी २४ तास स्वच्छ पाण्याची व्यवस्था करावी. जनावरांच्या पाण्याची कुंड/ साधने याची आठवड्यातून एकदा स्वच्छता करावी. उत्पादकता व प्रजनन वाढीच्या दृष्टीने जनावरांना दररोज ३० ते ४० ग्रॅम मिनरल मिक्चर द्यावे.</p>                                                     |
| बकरा किंवा बकरी | <p>• शेळ्यांच्या करडा च्या अंगावर गोचीड पिसावांचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास करडांना समप्रमाणात राख व ५० % कार्बारील पावडर मिसळून अंगावर चोळावी. जास्त प्रादुर्भाव असल्यास २ मिली ब्यूटोक्स किंवा अमित्राझ औषध टाकून शेळ्या व करडांना अंघोळ घालावी. कीटक नाशकाचा वापर अतिशय सावधपणे करावा व करडांना चाटून विषबाधा होणार नाही याची काळजी घ्यावी.</p> |